ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-08-2025

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-08-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-08-30	2025-08-31	2025-09-01	2025-09-02	2025-09-03
वर्षा (मिमी)	7.0	16.0	6.0	8.0	23.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	30.0	30.0	31.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	25.0	24.0	24.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	94	94	92	90	91
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	62	67	64	61	62
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	5	6	4	8
पवन दिशा (डिग्री)	135	118	113	127	93
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	7	6	7
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहेंगे और बारिश की संभावना है। तापमान में ख़ास बदलाव के आसार नहीं है और हवा की गति सामान्य रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

गरज और बिजली, तूफान आदि; तेज सतही हवाएं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों का गिरना, फलों का टूटना

सामान्य सलाहकार:

आगामी 5 दिनों में वर्षा के पूर्वानुमान के कारण अंतर-कृषि कार्य, पौध संरक्षण उपायों और खड़ी फसलों पर उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित कर दें। कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें। सब्जियों के पौधों को बारिश से बचाने के लिए उन्हें पॉलीथीन से ढक दें। मक्का, कंद फसलों, उर्द, मूंग तथा सब्ज़ियों में जल निकासी करें। साथ ही साथ खेत में डोभा के निर्माण के माध्यम से यथास्थान संरक्षण और जल संचयन के माध्यम से वर्षा जल का प्रबंधन (निचले सिरे पर भूमि क्षेत्र के 1/10वें भाग पर) करें। जो सूखे दिनों मे फसलों की जल आपूर्ति को पूरा करने मे मदद कर सकते हैं। आर्द्रता 80% से अधिक और बारिश होने की संभावना है, इसलिए धान में रोग और कीट संक्रमण की संभावना होगी, किसान भाई खड़ी फसलों एवं सब्जियों को खरपतवारों से बचाने के लिए निराई-गुड़ाई करें। विभिन्न सब्जियों /फसलों के खेतों में जल निकास के लिए बनी नालियों को सुदृढ रखें तथा रोपा धान के खेत में जल जमाव बनाए रखने के लिए खेत के मेढ़ को दुरुस्त रखें।

लघु संदेश सलाहकार:

28 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान और लगातार वर्षा से धान की फसल में तना छेदक का संक्रमण हो सकता है, इसे नियंत्रित करने के लिए एजाडिरेक्टिन 0.15% ईसी @ 800 मिली/एकड़ या कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी @ 10

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	मक्के के फसल जो धनबाल के अवस्था में है, उनमे यूरिया का बचा हुआ भुरकाव 26 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से करें। मक्के की फसल जहाँ भुट्टे में दाने लग रहे हैं, उनकी रखवाली का समय आ गया है। इसके लिए किसान खेतों में खम्भों के सहारे चमकीले फीता बांध दें, इस फीता पर पड़ने वाले सूर्य के प्रकाश द्वारा उत्पन्न चमक को देख कर पक्षी दूर भागते हैं।
चावल	समय पर बोया गया धान बालियां निकलने की अवस्था में है, अत: खरपतवार हटा दें तथा बौनी किस्म के धान के लिए 40 किलोग्राम यूरिया और संकर किस्म के धान के लिए 45 किलोग्राम यूरिया का छिड़काव करें। मौसम में बदलाव से ब्लास्ट रोग का प्रकोप बढ़ सकते है। इसके बचाव के लिए 10 लीटर पानी में 1 ग्राम बाविस्टिन 50 डब्लूपी या 6 ग्राम बीम (ट्राईसाइक्लाजोल) मिलाकर छिड़काव करें। तापमान बढ़ने से कीड़ों की संख्या में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है. इसलिए क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी की एक लीटर मात्रा को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ दो बार छिड़काव करें।
चना	जो किसान कुलथी की खेती करना चाहते हैं वे इसकी उन्नत किस्म इन्दिरा कुलथी-1, भी.एल.जी.-19 या बिरसा कुलथी-1 में से किसी एक किस्म की बोआई करें | एक एकड़ में बोआई के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। खेत तैयार करने के लिए 2 से 3 बार देसी हल से खेत की अच्छी तरह जुताई करके पाटा चला दें। इस फसल के लिए उपपरि ज़मीन का चुनाव करे जिसमे जल जमाव की स्तिथी न हो। बाद बीज को हल के पीछे कतार में 30 सेंटीमीटर (कतार से कतार) तथा 15 सेंटीमीटर (पौधा से पौधा) की दूरी पर बोयें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	किसान भाई इस समय फूलगोभी या पत्तागोभी के बीज गिरा सकते है। गोबर की खाद 80 से 100 किलोग्राम प्रति एकड़, यूरिया 105 किलोग्राम, 150 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ के दर से डालें। फूलगोभी की उन्नत किस्में - पूसा कटकी, पूसा दीपाली, पूसा हिमज्योति, पंत सुभ्रा 4; पत्तागोभी की उन्नत किस्में - गोल्डन एकर, अर्ली ड्रमहेड, प्राइड ऑफ़ इंडिया 2, लेट ड्रमहेड।
मिर्च	बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए, मिर्च और बैंगन में फल सड़न का प्रकोप होने की संभावना है। यदि दिखाई दे, तो कार्बेन्डाजिम 50% WP @ 2 ग्राम/लीटर पानी या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50% WP @ 3 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करें। यदि आवश्यक हो, तो 15 दिनों के अंतराल पर दूसरा और तीसरा छिड़काव करें। छिड़काव साफ़ मौसम देख कर ही करें।
मूली	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे वर्तमान मौसम की स्थिति में देशी मूली की बुवाई करें। बीज की मात्रा 4-5 किलोग्राम प्रति एकड़ लें, पंक्ति से पंक्ति की दूरी 15-20 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी होनी चाहिए। उन्नत किस्में हैं पूसा देशी, काशा हंस, पूसा रोशनी, पूसा हिमानी।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	नए बाग लगाने हेतु किसान भाई अमरूद, लीची, नींबू तथा आम के पौधे इस माह के अंत तक लगा दें। नए बागों के लिए बनाए गए गड्ढों मे गोबर की खाद मिला कर रीजेंट दानेदार 10 ग्राम प्रति गड्ढों मे डाल कर भर दें जिससे मिट्टी मे मौजूद हानिकारक कीटों से पौधों का बचाव हो सके।
पौध - संरक्षण	आने वाले दिनों मे बादल छाए रहने की संभावना को देखते हुए उर्द और मूंग में फली छेदक कीट की संभावना है, इसके बचाव हेतु इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल @ 1 मिलीलीटर प्रति 10-लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। छिड़काव साफ़ मौसम देख कर ही करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फसलों का गिरना

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

सब्जी नर्सरी को सहायता प्रदान करें।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details